

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 10 July 2018 08:12

0000000000

इसका खुलासा तब हुआ जब प्रमुख न्यू यॉर्क पोर्टल मेरी बटिया डॉट कॉम ने पूरे देश और खास तौर पर यूपी के सभी जिलों में सरकारी कामों और वहां दर्ज सूचनाओं का जायजा लिया। मेरी बटिया डॉट कॉम ने इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों, जिलाधिकारियों, पीसीपी नडीटी के तहत गठित समिति के पदाधिकारियों, सभी मेडिकल कॉलेजों तथा देश के सभी मंसू और भारतीय चिकित्सा परिषद तथा सभी प्रदेशों के चिकित्सा परिषदों से इस बारे में विस्तृत जानकारी हासिल करने का प्रयास किया था।

000000 000000 00 0000 00 0000 00 0000 000000 00 000000 00000000 00000000 00 00000 00000000
00000 00000000 00000000 00 000000 00 0000 00000000 000000 000000 00 000000 00000000 :-

00000000 00000000 000000 00

इस प्रयास के तहत जो भी सूचना मिली, वे हैरतनाक आश्चर्यजनक होने के साथ ही प्रशासनिक व सरकारी कामकाज के बेहद अराजक और खतरनाक स्तर तक की थीं। इन सूचनाओं से साफ स्पष्ट होता है कि कन्या भ्रूण के संरक्षण और कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ झंडा उठाने वाले पीसीपी नडीटी कानून के अनुपालन की असलियत क्या है। साफ पता चला है कि जिस कानून को कन्या भ्रूणहत्या रोकने के उद्देश्य के लिए बनाया और लागू कराया गया था, वह अपंग साबित हो रहा है।

0000000000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 00000000 000000 00 000000 000000 :-

000000 000000000000

सीटी स्कैन और मआरआई से लगी की जांच अल्ट्रासाउंड से भी ज्यादा सटीक तरीके से की जा सकती है. लगी जाच के करण लगातार गरिते जा रहे

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 10 July 2018 08:12

स्त्री : पुरुष अनुपात के देखते हुए सीटी स्कैन और मआरआई के भी पीसीपी नडीटी क्ट के दायरे में शीघ्रतम लाना भी अनविरय हो गया है इस तथ्य पर अभी तक किसी क ध्यान न जाने की वजह से इन दोनों जांचो के गलत उपयोग के बारे में किसी के पता ही नहीं है इनके के क्ट के दायरे में लाने के साथ ही साथ ये भी आवश्यक होगा की केवल उन्ही रेडियोलोजिस्ट क रजिस्ट्रेशन हो जो भारतीय चिकित्सा परषिद द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री के धारक हों तथा जनिके समय में उनके वभाग में सीटी स्कैन और मआरआई की मशीन लग चुकी हो और वो इन जांचो के करने योग्य हों अन्य रेडियोलोजिस्ट के लाई योग्यता क टेस्ट और उसे पास न करने पर ट्रेनिंग क नयिम लागू किया जाना होगा जिससे इन जांचो क लागि परीक्षण में गलत उपयोग करने वाले रेडियोलोजिस्ट पर लगाम लगायी जा सके

000 000 000000 00 00000 00 0000 000 00000000 0000 00000000 00 00000 00000 00000000-00000000
00000-00000 00 00000000 000000 000000 00000000000000 00 000000000 000000000000 00 000000000 00 00000
00000000 00 00 00000000 000000 000000 000000 000000 00 0000 00000000 000000 00000 00 00000000 000000 :-

00000000-00000000

00000000 00000000000000000000 000000 00 00000 00 00000 0000000000 00 00 00000 00 0000 00, 000000 0000
00 0000 0000 00000000 000000 00 00000000 00 0000 00000000 00000000 00 000000000 00000000 00 0000 0000 00
0000 00000000 00 0000000000 00 000000 00000 00000 000000 000000 00 00000000 00 0000 000000000 0000 00
0000000 00000000 000000 00 00000000 0000000000 :-

00000000 000000 00 000000000000